सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 308 | इंदौर, मंगलवार 26 मई, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

कैंची धाम जा रहे 7 दोस्तों की कार का एक्सीडेंट, एक झटके में ही 4 की मौत

बाराबंकी, (एजेंसी) बाराबंकी में सुल्तानपुर-लखनऊ हाईवे पर ऐसा दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने कुछ ही सेकंड में खुशियों से भरी यात्रा को मातम में बदल दिया. कैंची धाम जा रहे सात दोस्तों की इनोवा कार तेज रफ्तार ट्रेलर से जा टकराई. टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और अंदर बैठे लोग चीख तक नहीं पाए. हादसे में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं.

यह हादसा हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र के भिखरा गांव के पास देर रात करीब 2:50 बजे हुआ. रात के सन्नाटे में अचानक जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी तो आसपास के लोग घबराकर बाहर निकल आए. हाईवे पर पहुंचते ही सामने का मंजर देखकर लोगों के रोंगटे खड़े हो गए. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक तेज रफ्तार इनोवा कार सुल्तानपुर से लखनऊ की तरफ जा रही थी. उसी दौरान आगे चल रहे ट्रेलर से कार की जोरदार भिड़ंत हो गई. टक्कर इतनी भयानक थी कि इनोवा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. कार का अगला हिस्सा पूरी तरह दब गया और अंदर बैठे लोग उसमें फंस गए. हादसे के तुरंत बाद हाईवे पर चीख-पुकार मच गई. राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव अभियान शुरू किया गया.

पंजाब नगर निकाय चुनाव

रायकोट में तनाव, कांग्रेस उम्मीदवार को AAP समर्थकों ने पीटा

पंजाब, (एजेंसी) पंजाब में आज स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदान चल रहा है. राज्य के आठ नगर निगमों, 76 नगर परिषदों और 21 नगर पंचायतों में सुबह से ही मतदाता अपने अधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं.

इस चुनाव में राज्य की सत्ताधारी पार्टी 'आप' (AAP) ने सबसे ज्यादा 1,801 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं. इसके बाद कांग्रेस के 1,550, बीजेपी (BJP) के 1,316, शिरोमणि अकाली दल (SAD) के 1,251 और बहुजन समाज पार्टी (BSP) के 96 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं.

इन सबके अलावा 1,528 निर्दलीय उम्मीदवार भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. इन स्थानीय निकायों के लिए कुल 35,45,567 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें 17,11,635 महिला वोटर शामिल हैं.

-हमले में गंभीर रूप से घायल हुए जगदेव सिंह जग्गा को तुरंत स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया. लेकिन हालत नाजुक होने के चलते डॉक्टरों ने उन्हें

●वक्फ बोर्ड की स्कॉलरशिप: 850 छात्रों को सहारा

राज्य स्तरीय समारोह में सीएम बोले-

शिक्षा से ही बदलेगी नई पीढ़ी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। **भोपाल के रवींद्र भवन में सोमवार को मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड का राज्य स्तरीय स्कॉलरशिप वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 850 मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा ही युवाओं को आगे बढ़ाने और समाज की तस्वीर बदलने का सबसे बड़ा माध्यम है। कार्यक्रम में पढ़ो-पढ़ाओ, राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें का संदेश भी दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा से ही समाज मजबूत होगा और युवा देश की प्रगति में अहम भूमिका निभाएंगे।**

पहली बार राज्य स्तर पर दिया गया स्कॉलरशिप वितरण- वक्फ बोर्ड के गठन के बाद पहली बार प्रदेश स्तर पर इतने बड़े पैमाने पर स्कॉलरशिप वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि बोर्ड अब तक 1452 बच्चों को दोबारा शिक्षा से जोड़ चुका है। इनमें ऐसे छात्र भी शामिल हैं, जिन्होंने आर्थिक तंगी या सामाजिक परिस्थितियों के कारण पढ़ाई बीच में छोड़ दी थी। समारोह में मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड, कमेटी इंजामिया औकाफ-ए-अम्मा, औकाफ-ए-खास भोपाल और ताजुल मसाजिद से जुड़े पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

स्कॉलरशिप सिर्फ मदद नहीं, सपनों की उड़ान- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि छात्रवृत्ति केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों को पूरा करने का जरिया है। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़-लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर और दूसरे क्षेत्रों में आगे बढ़ने की अपील की। सीएम ने कहा कि शिक्षा इंसान को नई दिशा देती है और समाज को मजबूत बनाती है। उन्होंने रहीम के दोहे का उल्लेख करते हुए शिक्षा को जीवन की सबसे बड़ी ताकत बताया।

सरकार भी देगी बराबर की सहायता राशि- मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जिन विद्यार्थियों को वक्फ बोर्ड की ओर से स्कॉलरशिप दी गई है, उन्हें राज्य सरकार भी उतनी ही सहायता राशि उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग के युवाओं को शिक्षा और रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

वक्फ संपत्तियों से बढ़ेगी शिक्षा की मदद- मुख्यमंत्री ने कहा कि नए वक्फ कानून लागू होने के बाद व्यवस्थाओं में सुधार आया है। वक्फ संपत्तियों का रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है और अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई भी चल रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और सुधार के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। सरकार का लक्ष्य है कि इन संपत्तियों की आय बढ़ाकर गरीब और जरूरतमंद बच्चों, खासकर बेटियों की शिक्षा में इस्तेमाल किया जाए।

माफियाओं से संपत्तियां छुड़ाकर समाजहित में करेंगे उपयोग - सीएम ने कहा कि वक्फ की जमीनों और संपत्तियों को अवैध कब्जों से मुक्त कराया जा रहा है। इन संपत्तियों से मिलने वाली आय को शिक्षा, स्कॉलरशिप और समाज कल्याण के कार्यों में लगाया जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों को लाभ मिल सके।

देवी अहिल्या जयंती पर होंगे अनेक कार्यक्रम

● होगी अहिल्या माता की परिक्रमा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। देवी अहिल्या बाई होलकर का 301वां जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। रविवार से आयोजनों का सिलसिला शुरू हो चुका है। 31 मई को शहर में अनेक स्थानों पर आयोजन होंगे। नगर निगम इसे इंदौर गौरव दिवस के रूप में भी मना रहा है।

31 मई को देवी अहिल्या की राजवाड़ा स्थित प्रतिमा पर सुबह शहर के अनेक संगठन माल्यार्पण करेंगे और फिर शहर की सैकड़ों भजन मंडलियां, ढोलक दल, कला दल, बैंड वादक अहिल्या प्रतिमा

उद्यान की तीन परिक्रमा करेंगे। इसके अलावा 108 जोड़े मल्हारी मार्तंड मंदिर में शिव अभिषेक करेंगे। चार नारी शक्तियों को देवी अहिल्या नगर गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। रविवार को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सभागृह में इतिहासकार डॉ. गणेश शंकर मतकर लिखित महानाट्य 'अष्टावनी अहिल्या' का मंचन हुआ। अहिल्या नाट्य मंडल और सार्थक कला के 120 कलाकारों ने अहिल्या देवी के अनछुए इतिहास को प्रस्तुत किया। इस काव्य नाट्य के निर्देशक सुनील मतकर व सतीश मुंगरे थे। सोमवार को राष्ट्र सेविका समिति की संस्थापक लक्ष्मीबाई केलकर के जीवन पर आधारित नाटक का मंचन किया गया। 28 मई को जाल सभागृह में चार महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। 31 मई को सुबह राजवाड़ा के मल्हारी मार्तंड मंदिर में श्री रामधार साधक न्यास के साधकों के साथ 108 जोड़े शंकरजी का अभिषेक कर राष्ट्र रक्षार्थ हवन कुंड में आहुतियां देंगे। शाम सात बजे अहिल्या देवी की महाआरती के साथ जन्मोत्सव का समापन होगा। इस दौरान वहां आतिशबाजी भी की जाएगी।

विशेष जनसुनवाई शिविर में संवेदनशील प्रशासन ने सुनीं समस्याएं

बुजुर्गों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

- 300 से अधिक बुजुर्गों को मिला लाभ
- शिविर में आए बुजुर्गों का तिलक लगाकर किया गया स्वागत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशील सोच और वृद्धजनों के सम्मान व सुरक्षा की मंशा को साकार करते हुए इंदौर जिले में सोमवार को एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जहां प्रशासनिक व्यवस्था केवल औपचारिकता नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई। कलेक्टर शिवम वर्मा की पहल पर आयोजित विशेष जनसुनवाई शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे बुजुर्गों के चेहरों पर राहत, विश्वास और संतोष साफ दिखाई दिया। शिविर में पहुंचे कई वृद्धजन ऐसे थे, जो लंबे समय से पेंशन, भरण-पोषण, स्वास्थ्य सुविधाओं और पारिवारिक समस्याओं को लेकर परेशान थे। लेकिन इस विशेष पहल में उन्हें पहली बार ऐसा महसूस हुआ कि प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुन रहा है। अधिकारियों ने न केवल आत्मीयता से उनकी बातें सुनीं, बल्कि अनेक मामलों में मौके पर ही समाधान भी सुनिश्चित किया।

किसी बुजुर्ग की आंखों में पेंशन शुरू होने की उम्मीद चमकी तो किसी ने पारिवारिक विवाद के समाधान के बाद राहत की सांस ली। शिविर में मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पूरे धैर्य और संवेदनशीलता के साथ प्रत्येक व्यक्ति की समस्या सुनी। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि वृद्धजन समाज की अमूल्य

धरोहर हैं और उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों पर समय-सीमा में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी बुजुर्ग को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। यह विशेष जनसुनवाई शिविर केवल शिकायतों के निराकरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह प्रशासन और समाज के बीच विश्वास, सम्मान और मानवीय संवेदनाओं का जीवंत उदाहरण बन गया।

विशेष शिविर में कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी वृद्धजनों का तिलक लगाकर उनका स्वागत किया और उन्हें जलपान कराया। इस मौके पर जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी एवं समस्त विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। इसी के तहत कलेक्ट्रेट सभागृह में वृद्धजनों के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया। एक ही स्थान पर वृद्धजनों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित इस विशेष शिविर में भरण-पोषण, पारिवारिक विवाद, पेंशन और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के 331 आवेदन आए। ये सभी आवेदन कलेक्ट्रेट कार्यालय के 33 विभागों से संबंधित थे। इसमें नगर निगम के 87, तहसील मल्हारगंज के 33, तहसील जूनी इंदौर के 35, तहसील राऊ के 27, उपायुक्त सहकारिता विभाग के 22, संयुक्त संचालक सामाजिक विभाग के 18 थे। इसके अलावा रेडक्रास सोसायटी, जिला खाद्य आपूर्ति विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

सामाजिक न्याय विभाग द्वारा विशेष जनसुनवाई में वृद्धजनों को विशेष उपकरण वितरित किए गए। वयोश्री योजना के अंतर्गत वृद्धजनों को कान की मशीन (हियरिंग एड), व्हीलचेयर, वाकर, घुटने के पट्टे, सिलीकॉन कुशन, वाकिंग स्टीक और स्पाइनल बेल्ट सहित कुल 111 उपकरण वितरित किए गए। साथ ही 10 वरिष्ठजनों की वृद्धा पेंशन समस्याओं का तत्काल निराकृत किया गया। कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा शिविर में आए 26 वृद्धजनों को भरण-पोषण अधिनियम के तहत आदेश की प्रति दी गई।

वृद्धजनों की सेहत को सर्वोपरि रखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया, जिसमें वरिष्ठजनों को मल्टी स्पेशलिटी, मानसिक, फिजियोथैरेपी स्क्रीनिंग एवं मेडिकल बोर्ड आदि व्यवस्थाएं दी गई। कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को प्रोटीन युक्त बिस्किट एवं टॉनिक भी वितरित किए गए। शिविर में लगभग 100 से अधिक रोगियों ने विशेष उपचार एवं परामर्श उपचार दिया गया। साथ 34 से अधिक वृद्धजनों का विभिन्न बीमारियों की रक्त जांच की गई। शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किए गए जिसमें लैब टेस्ट, गायनिक ओपीडी, डेंटल सर्विस, आंखों की जांच, कुष्ठ रोग काउंसलिंग, फिजियोथैरेपी, ई एन टी सर्विस, सायकेट्री, न्यूरो सायकेट्री, मेडिसिन मैरिज तथा आँखों की जांच की गई। साथ ही वृद्धजनों को दवाई वितरण एवं आभा कार्ड भी बनाए गए।

एक दिवसीय रोजगार मेला 'युवा संगम' 1 जून को आयोजित होगा

- 300 से अधिक पदों पर होगा प्रारंभिक चयन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। राज्य शासन के निर्देशानुसार इंदौर जिले में "युवा संगम" कार्यक्रम के अंतर्गत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। यह रोजगार मेला जिला प्रशासन के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय इंदौर द्वारा 1 जून को जिला रोजगार कार्यालय (जिला उद्योग केन्द्र परिसर), इंदौर में प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा।

रोजगार मेले में युवाओं को करियर निर्माण के अवसरों के साथ स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु ऋण प्रक्रिया संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। मेले में कई प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी, जिनमें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम यूनिवर्सिटी, सूर्यवंशी मशीन टूल्स, यूनिफाई एचआर सोल्युशन, ओशियन मोटर्स एवं मोजेक प्रा.लि. शामिल हैं। इन कंपनियों द्वारा 300 से अधिक रिक्त पदों पर प्रारंभिक चयन किया जाएगा।

मेले में डिजिटल मार्केटिंग, केमिस्ट, अकाउंटेंट, बैक ऑफिस, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्स, सुपरवाइजर तथा टेक्नीशियन (ट्रेनी) जैसे फिटर, टर्नर और मशीनिस्ट सहित विभिन्न पदों के लिए आकर्षक वेतन पर रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे। कंपनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारंभिक चयन करेंगे।

रोजगार मेले में 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे आवेदक भाग ले सकेंगे, जिन्होंने हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर तक की शिक्षा प्राप्त की हो। इसके अतिरिक्त बी.फार्मा, आईटीआई एवं डिप्लोमा जैसी तकनीकी योग्यताओं वाले अभ्यर्थी भी अपनी योग्यता अनुसार रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे। जिला रोजगार कार्यालय ने रोजगार मेले में शामिल होने वाले आवेदकों से अपील की है कि वे अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, बायोडाटा, आधार कार्ड तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की फोटो प्रतियां साथ लेकर आएं।

मंत्री सिलावट बोले-समाज के हर व्यक्ति को जल संरक्षण के लिए आगे आना होगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सोमवार को गंगा दशमी पर्व के मौके पर अन्नपूर्णा तालाब में 1.50 करोड़ रुपए की लागत से जलाशय पूजन और तालाब के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इसमें जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मधु वर्मा, एमआईसी मेंबर अभिषेक शर्मा बबूल सहित कई लोग मौजूद रहे। यहां मौजूद लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल एक योजना नहीं बल्कि जल संरक्षण का जनसंकल्प है। जल का उत्पादन संभव नहीं है, केवल उसका संरक्षण और प्रबंधन ही किया जा सकता है। इसलिए समाज के हर व्यक्ति को जल संरक्षण के लिए

आगे आना होगा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, "एक पेड़ मां के नाम" अभियान तथा जल गंगा संवर्धन अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के आव्हान पर इंदौर में पिछले 3 सालों से "नो कार डे" अभियान चलाया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। नो कार डे के दौरान लगभग 20 प्रतिशत कारों का उपयोग कम हुआ, पेट्रोल-डीजल की खपत में कमी आई तथा ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई।

उन्होंने लोगों से हर शुक्रवार को स्वेच्छा से नो कार डे अपनाने तथा पब्लिक ट्रांसपोर्ट एवं साइकिल का उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि साल 2011 में इंदौर में लगभग 4 लाख मकान थे, जबकि वर्तमान सर्वे के अनुसार शहर में 8 लाख से अधिक मकानों की गणना हुई है। लगातार बढ़ती आबादी के कारण पानी की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कम बारिश के कारण हजारों बोरवेल सूख गए, बावजूद इसके नगर निगम ने 650 से ज्यादा टैंकरों के माध्यम से हजारों कॉलोनियों में जलापूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में जल संकट से बचने का एकमात्र उपाय वर्षा जल संरक्षण है। हर व्यक्ति को अपने घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अपनाना चाहिए ताकि बारिश की हर बूंद जमीन में संरक्षित हो सके।विधायक मधु वर्मा ने कहा कि इंदौर में मां नर्मदा के चौथे चरण का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। लंबे समय से छठ पूजा घाट निर्माण की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी होने जा रही है।

तेजी से बढ़ते शहर के साथ जल की चुनौतियां भी बढ़ी हैं, लेकिन नगर निगम लगातार शहर एवं आसपास के सम्मिलित गांवों में जलप्रदाय व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए काम कर रहा है।

परीक्षा 2026 हेतु नि:शुल्क कोचिंग 1 जून से

इंदौर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) मुख्य परीक्षा 2026 की तैयारी के लिए शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, इंदौर द्वारा नि:शुल्क कोचिंग 1 जून से प्रारंभ की जाएगी। इस संबंध में सहायक आयुक्त एवं प्राचार्य श्रीमती आशा चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि एमपीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 2026 में उत्तीर्ण पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान से आवेदन पत्र प्राप्त कर आवश्यक दस्तावेजों सहित शीघ्र जमा करें, ताकि अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थी शासन की इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, नवीन विधि महाविद्यालय के सामने, तक्षशिला परिसर, खंडवा रोड, भंवरकुआं, इंदौर में संचालित होगा।

सेना भर्ती कार्यालय महू में आयोजित अग्निवीर भर्ती 2025-26 के परिणाम घोषित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सेना भर्ती कार्यालय (महू) द्वारा नवम्बर -दिसम्बर माह में इंदौर में आयोजित भारतीय सेना अग्निवीर भर्ती रैली के विभिन्न पदों का परिणाम 25 मई 2026 को घोषित कर दिया गया है। जिसमें उज्जैन और इंदौर संभाग के 15 जिलों के उम्मीदवार शामिल हैं। यह परिणाम भारतीय सेना की वेबसाइट (www.joinindianarmy.nic.in) पर उपलब्ध है। सभी उत्तीर्ण उम्मीदवार 28 मई 2026 को सुबह 07 बजे सभी मूल दस्तावेज के साथ सेना भर्ती कार्यालय, महू (म.प्र.) में प्रारंभिक निर्देशों के लिए उपस्थित होवें। भारतीय सेना ने सभी सफल उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। भारतीय सेना में चयन पारदर्शी है और केवल योग्यता के आधार पर ही चयन होता है। उम्मीदवारों को दलालों से सावधान रहने की सलाह दी गई है। उम्मीदवार किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सेना भर्ती कार्यालय, महू (म.प्र.) (दूरभाष नंबर-7648815570) से संपर्क कर सकते हैं।

तालाब में नहाने गया नाबालिग डूबा

इंदौर। तेजाजी नगर इलाके में दोस्तों के साथ तालाब में नहाने गया एक नाबालिग डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना सोमवार शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच की है। वह पानी में एक टीले से कूदा था, जहां गाद में फंस गया। दोस्तों ने उसे निकालने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। इसके बाद आसपास के लोगों से मदद मांगी गई, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। टीआई देवेंद्र मरकाम के मुताबिक, महादेव नगर निवासी आशीष मकवाना अपने करीब 7 दोस्तों के साथ बिलावली तालाब में नहाने पहुंचा था। इस दौरान वह गहराई में जमी गाद में फंस गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। आसपास के लोगों ने उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। आशीष का परिवार मजदूरी करता है। परिवार में उसका एक भाई और है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

रेस्टोरेंट में गंदगी, कॉकरोच एवं जले तेल के उपयोग पर कार्रवाई

चैतन्य लोक • इंदौर
chaitanyalok.page

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन सुनिश्चित करने हेतु सतत निरीक्षण एवं सैंपलिंग कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 25 मई 2026 को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कुल 17 खाद्य नमूने जांच हेतु लिए गए।

हेडली पिज्जा रेस्टोरेंट पर सख्त कार्रवाई

सी-21 मॉल के सामने, जेमिनी मॉल स्थित हेडली पिज्ज़ा रेस्टोरेंट का औचक निरीक्षण किया गया। मौके पर मैनेजर गणेश शर्मा उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान रेस्टोरेंट के किचन एवं स्टोरेज क्षेत्र में गंभीर अनियमितताएं एवं अस्वच्छ परिस्थितियां पाई गईं। किचन में पर्याप्त साफ-सफाई नहीं पाई गई तथा फ्रिज खोलने पर एवं किचन के फर्श पर कॉकरोच चलते हुए दिखाई दिए। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थ निर्माण में उपयोग किया जा रहा तेल अत्यधिक जला हुआ एवं काला पाया गया। खाद्य अपशिष्ट हेतु रखे गए डस्टबिन खुले पाए गए तथा तैयार खाद्य पदार्थ बिना ढके हुए पाए गए। इसके अतिरिक्त कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं पाए गए, पेस्ट कंट्रोल का उचित रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया गया तथा पानी की जांच रिपोर्ट भी उपलब्ध नहीं कराई गई। स्टोर रूम में खाद्य पदार्थों का भंडारण अव्यवस्थित पाया गया। निरीक्षण के दौरान बिना बैच नंबर एवं पैकिंग डेट वाले नमक का उपयोग किया जाना पाया गया। खाद्य पदार्थ रखने के रैक एवं मॉकटेल निर्माण क्षेत्र में भारी मात्रा में जंग पाई गई।

मौके से पनीर, दही, जला हुआ तेल एवं नमक के कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए, जिन्हें राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। पाई गई गंभीर अनियमितताओं के संबंध में संबंधित फर्म एवं प्रोपराइटर को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के अंतर्गत नोटिस जारी किया जा रहा है। संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं होने की स्थिति में लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

इंपोर्टेड फूड की लेबल स्क्रूटनी हेतु कार्रवाई

एफएसएसएआई द्वारा इंपोर्टेड फूड उत्पादों की लेबलिंग संबंधी शिकायतों के आधार पर देशभर में विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। उक्त निर्देशों के परिपालन में इंदौर में भी इंपोर्टेड फूड उत्पादों के सर्विलांस नमूने लिए गए। स्कीम नंबर 78 स्थित जी आर मार्ट (7 कोर्स) का निरीक्षण कर इंपोर्टेड फूड के कुल 07 नमूने जांच हेतु लिए गए। इसी क्रम में मिस्टर बीन, स्कीम नंबर 78 से इंपोर्टेड फूड के कुल 05 नमूने जांच हेतु लिए गए।

सीएम हेल्पलाइन शिकायत पर कार्रवाई

सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायत पर कार्रवाई करते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा शिकायतकर्ता से दूरभाष पर चर्चा की गई। शिकायतकर्ता द्वारा मंचूरियन राइस खराब एवं बासी परोसे जाने की शिकायत की गई थी। इसके पश्चात ओल्ड कलकत्ता रोल का निरीक्षण किया गया एवं मंचूरियन राइस का 01 नमूना जांच हेतु लिया गया। निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के संबंध में सुधार सूचना पत्र जारी किया गया। की गई कार्रवाई से शिकायतकर्ता को अवगत कराया गया, जिस पर उनके द्वारा संतुष्टि व्यक्त की गई।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा है कि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता, सुरक्षित खाद्य निर्माण, उचित भंडारण एवं वैध खाद्य मानकों का पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने स्पष्ट किया कि गंभीर अनियमितता, गंदगी अथवा उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

इंदौर और धार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान

अवैध हथियार सप्लायर चेतन नाथ पुलिस घेराबंदी तोड़कर फरार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर और धार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान अवैध हथियार सप्लाई करने वाला आरोपी चेतन नाथ पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया, जबकि उसका साथी गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी पर इंदौर के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध पिस्टल सप्लाई करने के आरोप हैं।

पुलिस के मुताबिक राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र से फरार चल रहे आरोपी चेतन नाथ निवासी अहीरखेड़ी की लंबे समय से तलाश की जा रही थी। उस पर द्वारकापुरी और राजेंद्र नगर इलाके में करीब एक दर्जन लोगों को अवैध हथियार सप्लाई करने का आरोप है। जानकारी के अनुसार करीब 12 दिन पहले राजेंद्र नगर पुलिस ने अक्षय शर्मा को पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया था। पूछताछ में अक्षय ने चेतन नाथ का नाम उजागर करते हुए बताया था कि चेतन कई लोगों को अवैध पिस्टल बेच चुका है। इसके बाद से ही पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। रविवार को धार जिले के नौगांव थाना पुलिस ने घेराबंदी कर कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने संजय उर्फ सत्या को गिरफ्तार कर उसके पास से एक देशी पिस्टल और मोपेड बरामद की। हालांकि मौके पर मौजूद चेतन नाथ पुलिस को देखकर फरार हो गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार चेतन नाथ पर हत्या, लूट और मारपीट सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं। बताया गया है कि वह हाल ही में एक हत्याकांड के मामले में जमानत पर जेल से बाहर आया था। इसके बाद वह अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त में सक्रिय हो गया। फिलहाल पुलिस फरार आरोपी चेतन नाथ की तलाश में जुटी है और उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

कलेक्टर शिवम वर्मा एवं आयुक्त श्री सिंघल द्वारा ग्रीष्मकालीन जल प्रदाय व्यवस्था की समीक्षा बैठक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा एवं आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान शहर में सुचारू जल प्रदाय व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुसाखेड़ी स्थित सभा कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में समस्त अपर आयुक्त, विभागीय अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान शहर में वर्तमान जल प्रदाय व्यवस्था, पेयजल टंकियों की स्थिति, वॉटर टैंकर संचालन, हाइड्रेंट व्यवस्था तथा नागरिकों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अधिकारियों द्वारा विभिन्न जोनों में जल वितरण की स्थिति, जल आपूर्ति के समय, टैंकरों की उपलब्धता एवं संभावित समस्याओं के निराकरण हेतु किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए कि ग्रीष्मकाल में बढ़ती जल आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सभी अधिकारी सतत मॉनिटरिंग करें तथा जहां भी जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो, वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को समय पर एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कलेक्टर एवं आयुक्त द्वारा स्काडा कंट्रोल रूम में पानी टंकी भरने ओर सप्लाई संबंधी जानकारी ली ओर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने समस्त अपर आयुक्तों को निर्देशित किया कि अपने-अपने आवंटित जोन क्षेत्रों में जल प्रदाय व्यवस्था की नियमित समीक्षा करें तथा फील्ड स्तर पर लगातार मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि पेयजल टंकियों की साफ-सफाई, जल वितरण व्यवस्था, हाइड्रेंट संचालन एवं टैंकर आपूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में 'वरिष्ठ नागरिक विशेष जनसुनवाई स्वास्थ्य शिविर' का आयोजन किया गया। वरिष्ठजनों की विशेष जनसुनवाई में मल्टी स्पेशलिटी ओपीडी, मानसिक स्वास्थ्य, फिजियोथैरेपी स्क्रीनिंग एवं मेडिकल बोर्ड आदि व्यवस्थाएं की गई। चिकित्सा शिविर में उपस्थित वरिष्ठजनों को कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा प्रोटीनयुक्त बिस्किट एवं टॉनिक भी वितरित किए गए। शिविर में लगभग 100 से अधिक रोगियों ने विशेष उपचार एवं परामर्श प्राप्त किया तथा 34 से अधिक वरिष्ठजनों का विभिन्न बीमारियों के चलते रक्त जांच की गई। शिविर में कुल लैब टेस्ट = 33, आभा आईडी = 31, गायनिक ओपीडी = 8, डेंटल सर्विस = 11, आंखों की जांच = 27, कुष्ठ रोग काउंसलिंग = 8, फिजियोथैरेपी = 11, ऑख-कान-गला जांच = 5, सायकेट्री = 7, दवाई वितरण = 108, मेडिसिन मरीज 10, न्यूरो सायकेट्री 4, हड्डीरोग = 6, इस प्रकार विशेष वृद्धजन स्वास्थ्य शिविर' में कुल 108 वृद्धजनों ने इस 'विशेष वृद्धजन स्वास्थ्य शिविर' का लाभ प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गंगा दशहरा पर देवी सागर तालाब में किया श्रमदान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

धार, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को धार जिले के धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के देवी सागर तालाब के गहरीकरण कार्य का शुभारंभ कर स्वयं श्रमदान भी किया। जल संरक्षण और जल स्रोतों के संवर्धन को लेकर राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे "जल गंगा संवर्धन अभियान" के तहत गंगा दशहरा के अवसर पर हुए इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवी तालाब में विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया तथा श्रमदान कर जल बचाने में जन-सहभागिता का संदेश भी दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा एक सामाजिक अभियान है। प्रदेशभर में जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से जल बचाने और पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने में सहभागिता निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, नगरीय विकास एवं आवास तथा धार जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व मंत्री राज्यवर्धन सिंह दत्तीगांव, विधायिका श्रीमती नीना विक्रम वर्मा, विधायक कालू सिंह ठाकुर सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

कलेक्टर ट्रेनिंग लेंगे

भोपाल, एजेंसी। ब्राह्मणों की बेटियों को लेकर विवादित बयान देने वाले आईएएस अधिकारी संतोष कुमार वर्मा को मसूरी में प्रशासन चलाने और सुशासन की ट्रेनिंग दी जाएगी। विवादित बयान देने के बाद सामाजिक विरोध झेल रहे इस अधिकारी को पांच माह से अधिक समय से सरकार ने बिना काम के बैठा रखा है। मसूरी में सुशासन और बदलते दौर व बदलती तकनीक के साथ कदमताल करते हुए सुशासन की ट्रेनिंग के लिए 46 आईएएस अफसर भी जाएंगे। 15 जून से 10 जुलाई तक मसूरी में होने वाली चौथे फेज की मिड करियर ट्रेनिंग के लिए ये अफसर चिन्हित किए गए हैं, जिसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने करियर ट्रेनिंग पर जाने के निर्देश भी जारी कर दिए हैं। इसमें कलेक्टर ग्वालियर, रीवा, धार, पन्ना, सागर और संभागायुक्त उज्जैन के भी नाम हैं।

भोजशाला बनेगा 'सरस्वती लोक', राजा भोज के नाम पर खुलेगा रिसर्च सेंटर

चार्टर्ड प्लेन में माँ वाग्देवी की प्रतिमा को लंदन संग्रहालय से भारत वापसी को लेकर हुई सार्थक चर्चा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

धार, एजेंसी। धार-महू लोकसभा क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद एवं केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अपने धार प्रवास के पश्चात उन्हें अपने साथ हेलीकॉप्टर द्वारा इंदौर लेकर गए, जहां से दोनों नेता चार्टर्ड विमान द्वारा दिल्ली प्रवास हेतु रवाना हुए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ऐतिहासिक एवं आस्था के केंद्र भोजशाला पहुंचे, जहां उन्होंने माँ वाग्देवी मंदिर में विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दर्शन एवं पूजन-अर्चन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं नागरिकों में विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। मुख्यमंत्री ने भोजशाला को भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत

का प्रतीक बताते हुए इसके संरक्षण एवं विकास हेतु राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान श्रीमती सावित्री ठाकुर द्वारा प्रस्तुत मांग-पत्र पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंच से ही भोजशाला को "सरस्वती लोक" के रूप में विकसित किए जाने की सहर्ष सहमति प्रदान की। साथ ही महान सम्राट राजा भोज की गौरवशाली स्मृतियों को संरक्षित करने एवं युवा पीढ़ी को भारतीय इतिहास एवं संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से राजा भोज के नाम पर रिसर्च सेंटर स्थापित किए जाने की भी स्वीकार्यता प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री जी की इन घोषणाओं से धारवासियों एवं समस्त हिंदू समाज में हर्ष का वातावरण है। सोमवार दिल्ली प्रवास के दौरान चार्टर्ड विमान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर के मध्य माँ वाग्देवी की ऐतिहासिक प्रतिमा को लंदन के संग्रहालय से भारत वापस लाने सहित कई विकासात्मक विषयों को लेकर गंभीर एवं सकारात्मक चर्चा हुई। चर्चा में केंद्र एवं राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों, कानूनी प्रक्रियाओं एवं सांस्कृतिक पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

द्विशा शर्मा मौत का मामला

रिटायर्ड जज सास को हाईकोर्ट का नोटिस

● सरकार बोली- वे जांच में मदद नहीं कर रहीं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर, एजेंसी। एक्ट्रेस द्विशा शर्मा मौत मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने आरोपी सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस राज्य सरकार और द्विशा के पिता नवनिधि शर्मा की उस याचिका पर जारी हुआ, जिसमें ट्रायल कोर्ट से मिली गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत का विरोध किया गया है।

सोमवार को सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा कि गिरिबाला जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं। वहीं, गिरिबाला सिंह के वकील मृगेंद्र सिंह ने कहा- यह कहना गलत है कि हम जांच में सपोर्ट नहीं कर रहे हैं। हमें पिटीशन के दस्तावेज नहीं मिले हैं, इसलिए जवाब दाखिल करने के लिए समय चाहिए। सोमवार सुबह सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी आरोप लगाया था कि द्विशा की सास और पूर्व जज गिरिबाला सिंह जांच में बाधा डाल रही हैं। वहीं भोपाल जिला कोर्ट ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह मामले की सुनवाई मंगलवार तक के लिए टाल दी है। पुलिस प्रतिवेदन नहीं मिलने के कारण सुनवाई स्थगित की गई। कोर्ट ने पुलिस को कल तक प्रतिवेदन पेश करने के निर्देश दिए हैं।

द्विशा के पिता के वकील पीयूष सिंह ने मीडिया से बातचीत में बताया- अदालत ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी कर दो दिन में जवाब पेश करने को कहा है। 27 मई को अगली सुनवाई तय की गई है।

पुलिस को जून में मिलेंगे 6,500 नए आरक्षक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश पुलिस को अगले माह जून तक लगभग 6500 नए आरक्षक मिल जाएंगे। आवंटित जिलों में इनकी ज्वॉइनिंग प्रारंभ हो गई है। इसके पहले चरित्र सत्यापन और मेडिकल परीक्षण भी कराया जा रहा है।

चरित्र सत्यापन में देखा जा रहा है कि गंभीर धाराओं के अंतर्गत अभ्यर्थी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध तो नहीं है। इसके साथ ही आधार नंबर से सत्यापन भी किया जा रहा है कि जो व्यक्ति लिखित और शारीरिक दक्षता परीक्षा में सम्मिलित हुआ था वही है या नहीं। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 2025 में 2023 बैच के पुलिसकर्मियों के चरित्र सत्यापन के दौरान सामने आया कि उन्होंने साल्वरों को बैठाकर परीक्षा दिलाई थी। इन मामलों में अभी तक लगभग 50 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। इसी कारण इस बार आधार सत्यापन गंभीरता से किया जा रहा है। बता दें कि मध्य प्रदेश पुलिस में आरक्षक से लेकर एएसपी स्तर के एक लाख 26 हजार पद हैं, जिनमें 25 हजार के करीब रिक्त हैं। इस कारण कानून-व्यवस्था से जुड़े कामों में सुरक्षा व प्रबंध को लेकर दिक्कत आती है। दूसरा यह कि तीन मुख्यमंत्रियों की घोषणा के बाद भी पुलिसकर्मियों में अवकाश नहीं मिल पा रहा है। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने बताया कि चयनित पुलिसकर्मियों को कई बार उससे अच्छी जगह नौकरी मिल जाती है, जिससे वे ज्वाइन नहीं करते हैं।

उज्जैन के गंगा दशहरा पर उमड़ी भीड़

क्षिप्रा घाटों पर श्रद्धालुओं ने किया स्नान, साधु-संतों ने की पूजा-अर्चना

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन में गंगा दशहरा के अवसर पर सोमवार को श्रद्धा और आस्था का माहौल रहा। पवित्र क्षिप्रा नदी के घाटों पर सुबह से ही स्नान और पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। साधु-संतों, महामंडलेश्वरों और देश-विदेश से आए अनुयायियों ने विधि-विधान से मां गंगा और क्षिप्रा नदी का पूजन कर पुण्य स्नान किया।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत डॉ. रवींद्र पुरी और महामंत्री हरिगिरि महाराज सहित कई संतों ने क्षिप्रा में डुबकी लगाई। उन्होंने सनातन संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला। घाटों पर

दिनभर वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान चलते रहे। श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि और पापों के नाश की कामना की।

इस आयोजन में विदेशी श्रद्धालुओं की सहभागिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। पायलट बाबा की शिष्या किकोआइकवा और जापान से आए उनके अनुयायियों ने भारतीय संस्कृति से प्रभावित होकर क्षिप्रा में स्नान किया। उन्होंने घाटों पर साफ-सफाई कर सेवा कार्य भी किया, जिसकी संत समाज और स्थानीय लोगों ने सराहना की।

महामंत्री हरिगिरि महाराज ने गंगा दशहरा को पापों के नाश और पुण्य प्राप्ति का महापर्व बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सिंहस्थ-2028 के लिए कराए जा रहे विकास कार्यों की प्रशंसा की। साथ ही, उन्होंने क्षिप्रा नदी को जल्द पूरी तरह स्वच्छ और निर्मल बनाने की मांग की, ताकि आगामी सिंहस्थ और पर्व स्नानों में श्रद्धालुओं को शुद्ध जल मिल सके।

गंगा दशहरा पर दत्त अखाड़ा घाट से एक भव्य चल समारोह भी निकाला गया। यह समारोह विभिन्न मार्गों से होते हुए दातार अखाड़ा पर संपन्न हुआ। अधिक मास होने के कारण इस बार पारंपरिक संत पेशवाई नहीं निकाली गई, हालांकि घाटों पर दिनभर स्नान, पूजा-अर्चना और अन्य धार्मिक आयोजन जारी रहे।

संपादकीय

अब भारत अपनी ही जमीन से निकालेगा तेल और गैस!

अपनी जरूरत का 85 फीसदी ईंधन आयात करने वालाभारत तेल-गैस के मोर्चे पर चुनौतियों का सामना कर रहा है। अमेरिकी की ना-नुकुर, उसकी बंदिशों की वजहों से भारत को अक्सर दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लेकिन अब भारत खुद अपनी जमीन के नीचे दबे तेल-गैस निकालने की तैयारी में है। भारत उस समय यह कदम उठाने जा रहा है जब पश्चिम एशिया संकट के बीच देश में तेल-गैस का संकट जारी है। अगर भारत अपने मकसद में कामयाब रहा तो ईंधन के मामले में आत्मनिर्भर बन जाएगा। असल में, भारत जल्द ही अपनी जमीन के नीचे छिपे तेल और गैस की खोज का नया अभियान शुरू कर सकता है। हालांकि भारत तेल-गैस निकालने के लिए तुरंत ड्रिलिंग नहीं करेगा, बल्कि आधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से पुराने भूमिगत डेटा का अध्ययन किया जा रहा है। यह भारत सरकार की ओर से एक संकेत है कि वह आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके देश के भीतर तेल और गैस के भंडारों की खोज को एक नई और बड़ी गति देने जा रही है। सोमवार को जारी एक सार्वजनिक सूचना में, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कंपनियों को एक ऐसे बड़े अभियान में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है, जिसे अधिकारी पुराने भूकंपीय डेटा को फिर से प्रोसेस करने और पूरे देश में मौजूद तलछटी बेसिनों में नए 3D भूकंपीय सर्वेक्षण करने का एक बड़े पैमाने का प्रयास बता रहे हैं। जारी नोटिस के अनुसार, इसका मकसद भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाना और आयात पर निर्भरता को कम करना है। आसान लहजा में कहें तो, सरकार चाहती है कि विशेषज्ञ दशकों पुराने भूवैज्ञानिक डेटा की आज के उन्नत इमेजिंग और इन्टर्प्रिटेशन टूल्स का उपयोग करके फिर से जांच करें, ताकि यह देखा जा सके कि क्या पिछले सर्वेक्षणों में तेल और गैस के संभावित भंडार छूट गए थे। इस पूरी प्रक्रिया का समन्वय पेट्रोलियम मंत्रालय की तकनीकी शाखा, हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (DGH) द्वारा किया जा रहा है। कुछ दिन पहले एक मीडिया रिपोर्ट सामने आई थी जिसमें बताया गया था कि सरकार पूर्वी तट पर हजारों किलोमीटर तक फैले एक बड़े ऑफशोर तेल और गैस खोज सर्वे की भी योजना बना रही है। यह पूर्णिया और महानदी बेसिन, कृष्णा गोदावरी बेसिन, कावेरी बेसिन और अंडमान (पूर्वी) बेसिन में एक बड़ा भूवैज्ञानिक सर्वे होगा। सरकार चाहती है कि विशेष ऊर्जा-सर्वे कंपनियां समुद्र तल के नीचे गहराई में मौजूद चीजों की मैपिंग करें ताकि यह पता चल सके कि वहां व्यावसायिक रूप से फायदेमंद तेल या प्राकृतिक गैस के भंडार हैं या नहीं। भूकंपीय सर्वे की तुलना अक्सर पृथ्वी के मेडिकल स्कैन से की जाती है। जमीन के नीचे ध्वनि तरंगें भेजी जाती हैं और सतह के नीचे क्या मौजूद है, यह समझने के लिए उनके परावर्तन का अध्ययन किया जाता है। तेल और गैस कंपनियां यह तय करने से पहले कि कहां ड्रिलिंग करनी है, इन सर्वे का इस्तेमाल करती हैं। अधिकारियों का मानना है कि नई तकनीकें, जिनमें हाई-एंड कंप्यूटिंग और आधुनिक डेटा प्रोसेसिंग तकनीकें शामिल हैं, हाइड्रोकार्बन की उन संभावनाओं का पता लगा सकती हैं जिन्हें पुराने तरीके शायद साफ तौर पर नहीं पहचान पाए थे। बहरहाल, यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत अभी भी आयातित कच्चे तेल पर बहुत ज़्यादा निर्भर है। देश की तेल की लगभग 85 प्रतिशत जरूरत आयात से पूरी होती है, जिससे ऊर्जा सुरक्षा नीति निर्माताओं के लिए, खासकर वैश्विक संघर्षों और कीमतों में अचानक उछाल के दौरान, लगातार चिंता का विषय बनी रहती है।

Health is Wealth

ना शराब, ना सिगरेट... फिर भी हुआ कैंसर!

● डॉक्टर ने बताया ऑफिस लाइफस्टाइल का बड़ा खतरा, ये 5 लक्षण दिखें तो हो जाएं सावधान

भारत में कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, अब ये 60-70 की उम्र तक सीमित नहीं है, बल्कि 30-40 की उम्र के लोगों के लिए भी बड़ा खतरा बन चुका है। ऑन्कोलॉजिस्ट डॉक्टर वरुण गोयल के पासस एक केस आया, जिसमें व्यक्ति की उम्र 34 साल थी। वह गुरुग्राम की किसी कंपनी के मार्केटिंग मैनेजर थे और वह पूरी तरह से स्वस्थ दिख रहे थे। वह सिरगेट नहीं पीते थे, कभी-कभार शराब पी लेते थे और वीकेंड पर क्रिकेट भी खेला करते थे। कंपनी ने उन्हें स्टैंडिंग डेस्क भी दे रखा था लेकिन बीते 8 महीनों से वह थकान और मल त्याग की आदतों में बदलाव देख रहे थे। उन्होंने पहले इसे अनदेखा कर दिया और खराब खान-पान, तनाव को दोषी ठहराया। कुछ समय के बाद उन्होंने जांच कराई, जिसमें निकला स्टेज 3 का कोलोरेक्टल कैंसर। डॉक्टर का कहना है कि ये पहले शख्स नहीं हैं, जिनके साथ ऐसा हुआ है। ऐसे कई मामले हर दिन सामने आते हैं, जिसमें लोगों की कॉर्पोरेट लाइफस्टाइल कैंसर का बड़ा कारण बन रही है। डॉक्टर वरुण का कहना है कि लोग 11 से 12 घंटे तक लगातार बैठकर काम करते हैं और इस दौरान अपने खान-पान का ख्याल नहीं रखते। साथ ही फिजिकल एक्टिविटी भी जीरो होती है, तनाव और नींद की कमी होने के कारण कैंसर सेल्स बन जाती हैं, जो आगे चलकर घातक रूप ले लेती हैं।

क्या कहती है रिसर्च

जर्नल ऑफ नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट में छपी एक रिसर्च के मुताबिक, लंबे समय तक बैठने की आदत कोलोरेक्टल, एंडोमेट्रियल और फेफड़ों के कैंसर के खतरे को बढ़ाती है। आप भले ही रोजाना एक घंटा जिम जाते हो, सिगरेट-शराब न पीते हो लेकिन अगर आप 10 से 12 घंटे तक लगातार बैठे रहते हैं, तो कैंसर हो सकता है। इसे एक्टिव काउच पोटैटो सिंड्रोम भी कहा जाता है, जो भारतीय कर्मचारियों में काफी आम हो चुका है।

लंबे समय तक बैठने से क्या होता है?

अगर आप घंटों तक अपने कुर्सी से चिपके रहते हैं, तो कुछ बदलाव शरीर में जरूर आ रहे होंगे, जिन्हें ज्यादातर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। यही कुछ कारण हैं, जो आगे चलकर कैंसर का रूप ले लेते हैं। चलिए जानते हैं घंटों तक बैठने से क्या होगा-

मोटापा बढ़ना

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के मुताबिक, शहर में करीब 40% महिलाएं और 34% पुरुष मोटापे का शिकार हैं। घंटों तक बैठे हुए काम करने से शरीर में जमा फैट सिर्फ एनर्जी का भंडार ही नहीं होता बल्कि यह हार्मोन और सूजन पैदा करने वाले तत्व जैसे TNF-alpha और IL-6 भी बनाता है। ऐसे में शरीर में लगातार सूजन पैदा होती रहती है और जो कम से 13 अलग तरह के कैंसर को जन्म दे सकती है। इसमें खासतौर पर ब्रेस्ट, लीवर, कोलन, किडनी, लंग कैंसर के मामले पाए गए हैं।

स्ट्रेस और वीक इम्यूनिटी

अगर आप काम का स्ट्रेस ज्यादा लेते हैं, जो आजकल काफी आम हो चुका है। ऑफिस के काम का टार्गेट, परफॉर्मेंस प्रेशर हर कोई झेल रहा है। स्ट्रेस सीधे तौर पर कैंसर का कारण नहीं बनता है बल्कि ये आपकी इम्यूनिटी पर हमला करता रहता है। लगातार तनाव के कारण आपकी इम्यूनिटी कमजोर होने लगती है। स्ट्रेस हार्मोन कॉर्टिसोल शरीर की उन कोशिकाओं को दबा देता है, जो शुरुआती कैंसर सेल्स को खत्म करने का काम करती है। यही कारण है कि अगर आप ज्यादा स्ट्रेस लेते हैं, कैंसर को दावत दे रहे हैं। ओवर स्ट्रेस स्मोकिंग, ड्रिंकिंग, ओवरईटिंग, खराब स्लीप साइकिल जैसी आदतों को बढ़ावा देता है।

नींद की कमी होना

लेट नाइट काम या अलग-अलग शिफ्ट में काम करना और लगातार स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट शरीर की सर्कैडियन रिदम को खराब कर देती है। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (IARC) ने नाइट शिफ्ट को कैंसरकारी बताया है। नींद कम होने से दिमाग एक्टिव नहीं हो पाता, इससे DNA रिपेयर प्रक्रिया भी प्रभावित होती है और शरीर में हार्मोनल इम्बैलेंस होता है। ये सभी चीजें कैंसर के रिस्क को बढ़ाते हैं।

ऑफिस का खाना

कई ऑफिस में सुविधा के नाम पर लंच दिया जाता है, जो कैंसर का कारण बन सकता है। ऑफिस में मिलने वाले फूड ऑप्शन में वेंडिंग मशीन स्नैक्स, एनर्जी बॉर्ड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड आपकी सेहत के लिए खतरनाक है। फ्रांसीसी रिसर्च के मुताबिक, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड के सेवन में हर 10% वृद्धि से कैंसर का खतरा 12% तक बढ़ जाता है।

कॉर्पोरेट वर्कर्स किन लक्षणों को कभी न करें नजरअंदाज-

वैसे तो कई लक्षण साधारण हो सकते हैं लेकिन अगर आपको 3-4 हफ्तों तक एक जैसे लक्षण दिखाई दें, तो फौरन डॉक्टर से मिलें या अपनी जांच करवाएं। चलिए जानते हैं उन खास लक्षणों के बारे में-

1. बिना कारण 4-5 किलो वजन कम होना
2. लगातार थकान
3. मल या पेशाब की आदतों में बदलाव
4. मल, पेशाब या खांसी में खून
5. शरीर में गांठ (गर्दन, ब्रेस्ट, बगल या जांघ में)
6. मुंह के छाले जो लंबे समय तक ठीक न हों
7. लगातार खांसी या आवाज में बदलाव आना
8. बार-बार पेट फूलना या दर्द

बचाव करने का तरीका क्या है?

कैंसर से बचाव करने का कोई सटीक उपाय नहीं है लेकिन अपनी लाइफस्टाइल में छोटे-छोटे बदलाव करके आप इस खतरनाक बीमारी से काफी हद तक बच सकते हैं। चलिए बताते हैं बचाव के लिए क्या करें?

1. हर 45 मिनट में उठकर थोड़ा चलें
2. रोज कम से कम 7 घंटे की नींद लें
3. फाइबर युक्त आहार लें, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड कम करें
4. हर साल BMI, ब्लड शुगर और CRP की जांच कराएं

शराब, सिगरेट और तंबाकू ज्यादा खाने-पीने से बचें

डॉक्टर गोयल का कहना है कि कई ऑफिस वेलनेस प्रोग्राम करवाते हैं, जो काफी हद तक अच्छे होते हैं। योगा क्लास या स्टेप चैलेंज जैसी एक्टिविटी में भाग लें और खुद को एक्टिव रखने की कोशिश करें। असली समस्या नींद की कमी, स्ट्रेस, खानपान है, जिसपर ध्यान नहीं दिया जाता। आप इन चीजों पर थोड़ा ध्यान दें।

New Delhi

दिल्ली में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक जयशंकर ने समन्वय पर दिया जोर

नई दिल्ली, (एजेंसी) देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में वैश्विक कूटनीति की एक नई और मजबूत तस्वीर सामने आई है। इस उच्च स्तरीय मंच पर भारत के विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा, संप्रभुता और आर्थिक समृद्धि को लेकर बेहद महत्वपूर्ण और ठोस बयान दिए हैं।

भारत के विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर ने बैठक की शुरुआत में साफ किया कि इस बार हमारा पूरा ध्यान सामूहिक गतिविधियों को तय करने और दुनिया के सामने मौजूद चुनौतियों का समाधान ढूंढने पर है। उन्होंने

कहा कि क्वाड का प्राथमिक कार्यक्षेत्र हिंद-प्रशांत ही रहेगा। जयशंकर ने वैश्विक स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, कनेक्टिविटी के रास्ते में आने वाली रुकावटों, मैन्युफैक्चरिंग और संसाधनों के एक ही जगह सीमित होने जैसी बड़ी दिक्कतों पर चिंता जताई।

विदेश मंत्री ने कहा कि क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के गैप को भरने के लिए नई साझेदारियों और मजबूत आर्थिक विकास की जरूरत है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक भरोसा बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने और आर्थिक विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए एक पारदर्शी और भरोसेमंद पार्टनरशिप बेहद जरूरी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि क्वाड के सदस्य देश एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

Uttarpradesh

यूपी में बड़ा हादसा

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर पलटी बस, छह की मौत और 24 यात्री घायल

कानपुर, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। औरास थाना क्षेत्र के किलोमीटर 262 पर दिल्ली से गोरखपुर जा रही यात्रियों से भरी एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। इस भीषण हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 24 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें कई की हालत गंभीर बनी हुई है। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर दिल्ली से गोरखपुर जा रही प्राइवेट स्लीपर बस औरास थाना इलाके में नींभाखेड़ा गांव के पास अंडरपास पर डिवाइडर में टकरा कर पलट गई। हादसे में छह यात्रियों की मौत गई, जबकि 24 लोग घायल हुए हैं। अनुमान जताया जा रहा है कि चालक को नींद की झपकी आ गई। इस कारण बस अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस पलट गई। बस के शीशे टूट गए और कई यात्री बस से बाहर जा गिरे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और यूपीडा (यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

Chhattisgarh

इबोला वायरस को लेकर छत्तीसगढ़ अलर्ट

रायपुर, (एजेंसी) दुनियाभर में तेजी से फैल रहे इबोला वायरस को देखते हुए छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ ने संक्रमण की रोकथाम को लेकर सभी अधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों की जांच बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा गया है कि अगर कोई यात्री संदिग्ध नजर आता है तो उसकी जानकारी तुरंत स्वास्थ्य विभाग तक पहुंचाई जाए। एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम की ओर से जारी निर्देश में रायपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को एयरपोर्ट पर एक नोडल अधिकारी तैनात करने को कहा गया है। यह अधिकारी यात्रियों की स्वास्थ्य जांच और पूरी व्यवस्था की निगरानी करेगा।

Hyderabad

मंत्री के बेटे पर पॉक्सो, RSS-BJP में दरार

शराब पिलाकर रेप और 4 महीने धमकाने का आरोप, नाम आने से संघ नाराज

हैदराबाद, (एजेंसी) 17 साल की लड़की और उसके दोस्तों ने मिलकर नए साल की पार्टी रखी। 31 दिसंबर 2025 की रात एक फॉर्महाउस पर जश्न शुरू हुआ। नाबालिग के साथ एक लड़की और 5 लड़के थे। इनमें एक केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार का 25 साल का बेटा साई भागीरथ भी था। आरोप है कि पार्टी के दौरान भागीरथ ने नाबालिग पर शराब पीने का दबाव बनाया। इसके बाद उससे छेड़छाड़ करने लगा। भागीरथ नशे में धुत था। उसने लड़की को पहले गलत तरह से छुआ, फिर फिजिकल होने के लिए उकसाने लगा। लड़की अकेली पड़ गई, मजबूरी में विरोध नहीं कर सकी। घटना के बाद लड़की ने मां को आपबीती बताई। परिवार ने शिकायत कराने की कोशिश की, लेकिन उन

पर केस न करने का दबाव डाला गया। करीब 4 महीने बाद 8 मई को मां की शिकायत पर भागीरथ के खिलाफ पॉक्सो का मामला दर्ज हुआ। भागीरथ को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस गिरफ्तारी के बाद केस में RSS को भी खींचने की कोशिश की गई। इस पर संघ ने बयान जारी कर कहा कि ये पूरी तरह से BJP का आंतरिक मामला है, इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है।

खेल

अक्षय और विक्की ने एशियाई चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

भारतीय महिला पहलवानों का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारत ने अंडर-23 कुश्ती एशियाई चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिसमें फ्रीस्टाइल पहलवान अक्षय टी धेरे और विक्की ने सोमवार को स्वर्ण पदक जीते। अक्षय ने 57 किग्रा भार वर्ग में कजाखस्तान के येलेमान अमंगेलदी को 4-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। विक्की ने जल्द ही भारतीय खेमे की खुशी दोगुनी कर दी जब उन्होंने 97 किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान के शेरजोद पोयोनोव के खिलाफ 7-5 की रोमांचक जीत दर्ज कर शीर्ष स्थान हासिल किया।

मुस्कान ने 53 किग्रा वर्ग में जीता खिताब

मुस्कान ने महिला 53 किग्रा वर्ग के फाइनल में वियतनाम की थी माई लिन्ह गुएन के खिलाफ 6-2 से आसान जीत दर्ज कर खिताब जीता। तपस्या ने 57 किग्रा वर्ग में पूरी तरह से दबदबा बनाया और कजखस्तान की

अल्टीन शागायेवा के खिलाफ 4-0 की बढ़त बनाने के बाद बाय फॉल (पटखनी देकर) से जीत दर्ज करके स्वर्ण पदक जीता। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा, महाद्वीपीय मंच पर दो फ्रीस्टाइल स्वर्ण पदक जीतना एक शानदार उपलब्धि है और यह अक्षय तथा विक्की की रणनीतिक प्रतिभा का प्रमाण है। उन्होंने आज पूरे दिल से लड़ाई लड़ी। मैं अपनी महिला पहलवानों के लिए भी उतना ही उत्साहित हूं जिन्होंने इतने सारे फाइनल में पहुंचते हुए अविश्वसनीय जुझारूपन दिखाया। यह शानदार प्रदर्शन साबित करता है कि भारतीय कुश्ती का भविष्य बहुत सुरक्षित हाथों में है और मैं पूरे दल को देश को इतना गौरवांवित करने के लिए बधाई देता हूं।

भाग्यश्री एच फेंड ने 62 किग्रा वर्ग में भारत की झोली में एक और स्वर्ण डाला। उन्होंने खिताबी मुकाबले में किर्गिस्तान की टिनिस डुबेक को 4-0 से हराया जबकि पुलकित (65 किग्रा) ने किर्गिस्तान की टिनिस डुबेक और मंगोलिया की नारखाजिद न्यामसुरेन के खिलाफ क्रमशः 4-0 और 4-1 से जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक जीतने का सिलसिला जारी रखा। अमृता शशिकांत पुजारी ने 72 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता। उन्हें मंगोलिया की ओडगेरेल एडेन ओचिर के हाथों 2-4 से करीबी हार का सामना करना पड़ा।

सिनेमा

दिलजीत दोसांझ के घर को बम से उड़ाने की धमकी, अफसरों को भेजा ईमेल, जानिए किसने और क्यों दी धमकी

उस वक्त हड़कंप मच गया जब लुधियाना नगर निगम के अधिकारियों को धमकी भरा ईमेल मिला। इसमें पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के घर के साथ-साथ लुधियाना की मेयर इंदरजीत कौर के ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इसके बाद से सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। यह धमकी भरा ईमेल लुधियाना नगर निगम कमिश्नर के अलावा निगम के कई उच्च अधिकारियों को भेजा गया और इसमें यह भी बताया गया कि धमाके कब किए जाएंगे। कुछ दिन पहले ही दिलजीत दोसांझ के मैनेजर गुरप्रताप सिंह कांग के घर पर हरियाणा में कथित तौर पर हमला किया गया था। जानकारी मिलते ही पुलिस महकमा और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत एक्शन में आ गईं और काफी समय तक लुधियाना की मेयर के दफ्तर और दिलजीत दोसांझ के घर तलाशी अभियान चलाया। बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों की टीम के साथ पूरी जांच की गई, पर दोनों ही जगह से कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक बरामद नहीं हुआ। हमारे सहयोगी TOI की रिपोर्ट के मुताबिक, जहां रात 9 बज 11 बजे दिलजीत दोसांझ के घर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई, वहीं मेयर इंदरजीत कौर पर हमले का समय दोपहर 1:11 बजे का दिया गया।

Highlights

1. Three held for kidnapping and torturing man in Kerala
2. HC orders videography of vote storage rooms for Punjab civic polls
3. Youth congress workers to oppose bail plea in court
4. Toddler walks again after month-long fight for life in Bengaluru
5. Woman delivers baby girl inside autorickshaw in Kerala
6. What new Ebola checks will air passengers face in India?

Govt open to stakeholder views on reducing capital gains tax on stock investments: Finance minister

NEW DELHI, (Agency). The government is open to stakeholder views on reducing capital gains tax on investments in stock markets, aiming to make domestic markets more attractive to foreign portfolio investors (FPIs), Finance Minister Nirmala Sitharaman said on Monday.

Foreign portfolio investors have been fleeing Indian markets, driven by higher capital gains taxes, a weaker rupee, and shifting global allocations.

"On this issue, and on every other issue, we are always ready to listen to people. We will take their inputs," Sitharaman said in response to a question on whether the government is considering reducing such taxes. She was speaking on the sidelines of an awards function organised by the Cotton Textiles Export Promotion Council (TEXPROCIL) in Mumbai.

The government imposes a short-term capital gains tax (STCG) of 20% on equity shares and equity mutual funds, and a 12.5% long-term capital gains (LTCG) tax on annual gains of over ₹125,000 on such investments sold after 12 months.

FPIs were net sellers of securities worth a record ₹1.8 lakh crore in FY26, the highest in 34 years and up from ₹1.3 lakh crore in FY25. The highest outflows were seen in March 2026 at around ₹1.18 lakh crore. According to the Reserve Bank of India (RBI) data, FPIs have registered net outflows of over $10 billion (approximately ₹95,200 crore) in FY27 so far, including sales of $8.3 billion in April 2026 and $1.8 billion as of 20 May.

On whether the government is considering measures such as issuing sovereign bonds to attract foreign capital amid a fast-depreciating rupee, Sitharaman said that the government is receiving and gathering a lot of inputs and suggestions, including on rupee, investments and gold or sovereign bonds.

Govt eases LPG surrender rule, allows reconnection

NEW DELHI, (Agency). The government on Monday permitted consumers to retain the option of restoring their surrendered domestic liquefied petroleum gas (LPG or cooking gas) connections in future if they move to areas that do not have piped natural gas (PNG) infrastructure. "The Government of India has notified the Liquefied Petroleum Gas (Regulation of Supply and Distribution) Amendment Order, 2026, on 25th May, 2026," the petroleum ministry said in a statement. It aims to provide "additional relaxation and convenience" to domestic LPG consumers who subsequently obtain PNG connections, it said. The amendment was made in the

LPG control order issued on March 14, 2026 that required consumers with PNG connections to surrender their domestic LPG connections and prohibited new LPG connections for PNG consumers. As on May 24, more than 59,800 PNG consumers have surrendered their LPG connections. The amended rule is particularly beneficial for transferable employees, migrant households, tenants, students, and families shifting to non-PNG areas. Under the amended provisions, LPG consumers who have PNG connections as well shall have two options, it said.

"Consumers may apply for termination of the LPG connection within 30 (thirty) days of obtaining PNG connection; or consumers may obtain a transfer voucher for future restoration of LPG connection in a non-PNG area," it added. "This amendment provides significant relief and flexibility to consumers who may subsequently shift to areas where PNG infrastructure may not be feasible," the statement said. The March 14 order was issued as India is heavily dependent on imported LPG and supplying cooking gas was a concern amid the war in West Asia, particularly the closure of key sea route through the Strait of Hormuz that used to transport about 90% of the LPG imports.

रियल इस्टेट कंपनी के डायरेक्टर की हत्या में किन्नर सहित तीन को उम्रकैद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। रियल एस्टेट कंपनी के सेल्स डायरेक्टर की हत्या के जुर्म में कोर्ट ने तीन लोगों को दोषी माना है। इनमें किन्नर जोया भी शामिल है। इस हत्याकांड को तीनों ने पांच साल पहले अंजाम दिया था।

पार्टी से अपने दोस्त के साथ लौट रहे सेल्स डायरेक्टर देवांशु मिश्रा को रोककर जोया ने अश्लील प्रस्ताव रखे थे। इनकार करने पर जोया के दोस्त अल्लू और आलिम ने गले से सोने की चेन छीन ली थी। विरोध करने पर आरोपियों ने देवांशु पर चाकू से वार कर दिए थे, जिससे उसकी मौत हो गई थी। तब यह हत्याकांड काफी चर्चा में रहा था और इस तरह की वारदातों के कारण इंदौर में नाइट कल्चर बंद कर दिया गया। जिला कोर्ट ने हत्या के मामले में तीनों को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद और लूट के मामले में सात-सात साल कैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा तीनों आरोपियों पर दो-दो हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। कोर्ट ने इस अपराध को जघन्य माना और उम्रकैद की सजा सुनाई। इस केस में 14 गवाहों के बयान हुए, जिनमें देवांशु का दोस्त, डॉक्टर व अन्य लोग शामिल थे। पुख्ता सबूतों और गवाहों के कारण तीनों आरोपियों को उम्रकैद की सजा हुई है। आरोपियों के पास से देवांशु के गले से लूटी गई सोने की चेन भी बरामद की गई थी, उसे भी कोर्ट में प्रस्तुत किया गया। आरोपियों ने देवांशु और उसके दोस्त सतीश के साथ मारपीट की थी। इस घटना के बाद देवांशु अपने रुम पर जाकर सो गया था। सुबह जब दोस्त घर पहुंचा तो उसकी मौत हो चुकी थी।

प्रेम-प्रसंग में तनाव से डॉक्टर ने की आत्महत्या

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज हॉस्टल में डॉ. अमन पटेल की आत्महत्या मामले में पुलिस जांच लगातार आगे बढ़ रही है। अब इस केस में प्रेम प्रसंग और मानसिक तनाव का एंगल और मजबूत होकर सामने आया है। पुलिस ने मृतक की बहन और कॉलेज मित्रों के बयान दर्ज किए हैं, जिनमें प्रेम संबंधों और रिश्तों में आए तनाव का उल्लेख किया गया है।

पुलिस ने डॉ. अमन की बहन वंदना पटेल के बयान दर्ज किए हैं। उन्होंने बताया कि अमन के मेडिकल कॉलेज की एक छात्रा से लंबे समय से प्रेम संबंध थे और उसी संबंध में उत्पन्न तनाव के कारण उन्होंने आत्मघाती कदम उठाया। वंदना के अनुसार, दोनों शादी को लेकर गंभीर थे, लेकिन हाल के दिनों में रिश्तों में दूरी बढ़ने लगी थी। घटना वाली आधी रात तक डॉ. अमन तनाव में थे और पांचवीं मंजिल की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने अमन के कॉलेज के कुछ करीबी दोस्तों के बयान भी लिए हैं। दोस्तों ने भी पुष्टि की है कि अमन पिछले करीब तीन वर्षों से छात्रा के साथ रिश्ते में थे और हाल के दिनों में संबंधों में तनाव बढ़ गया था। दोस्तों का कहना है कि घटना से पहले अमन काफी तनाव में दिखाई दे रहे थे। उनका दावा है कि घटना से ठीक पहले दोनों के बीच फोन पर बातचीत भी हुई थी। परिजन का आरोप है कि घटना से पहले हुई बातचीत में युवती ने अमन से बात करने से इनकार करने के बाद अमन हॉस्टल की छत पर पहुंचे और वहां से छलांग लगा दी। हालांकि पुलिस अभी पूरे मामले की तकनीकी और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है। दरअसल वहां सीसीटीवी कैमरे नहीं होने से पुलिस को कड़ी मिलाने में परेशानी है।

जिस युवक के कारण पति ने की थी पत्नी की हत्या उसने भी जान दे दी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मेघदूत नगर क्षेत्र में एक युवक ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और खुद जहर खा लिया। इस घटना के बाद पत्नी के प्रेमी ने भी जहर खाकर जान दे दी। इस प्रेम प्रसंग में तीन लोगों की जानें चली गईं और एक मासूम बच्ची अनाथ हो गई। उस बच्ची के सामने ही पति ने अपनी पत्नी की हत्या की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि पहले युवक ने पत्नी के मुंह में जहर जबरदस्ती भरा था, लेकिन जब वह इसमें सफल नहीं हुआ तो फिर उसने गला दबाकर हत्या कर दी। वह शाम से ही इसकी योजना बना रहा था और जहर भी अपने साथ लेकर आया था। खुद आत्महत्या करने से पहले युवक ने अपने रिश्तेदारों को मोबाइल फोन से मैसेज भी किए थे। युवक की पत्नी रोशनी, पीथमपुर में रहने वाले सतीश सावले से प्यार करती थी और यह बात युवक हल्के वीर को पता चल गई थी। इसी के चलते उसने पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। सतीश ने भी खंडवा के समीप अपने गांव जाकर जहर खा लिया। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सतीश को जैसे ही दोनों की मौत का पता चला, वह पीथमपुर में अपने मकान में ताला लगाकर गांव चला गया था। आत्महत्या से पहले हल्के वीर ने सुसाइड नोट लिखा था और सतीश पर ब्लैकमेल करने और मारपीट करने के आरोप लगाए थे। सतीश संभावित पुलिस कार्रवाई के कारण भी तनाव में था। हल्के वीर होशंगाबाद के बनखेड़ी गांव में रहता था। पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शवों को रिश्तेदार गांव ले गए और वहां अंतिम संस्कार किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक